कार्यालय उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक (प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना, सवाई माधोपुर

क्रमांक–एफ( )मॉनीटरिंग/उवसं–I/2015/5190 दिनांक –11.05.2015

निमित्त

वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक,
रणथम्भौर बाघ परियोजना,
सवाई माधोपुर

पत्र क्र. 1342
दिनांक 11-5-15

विषय :– रणथम्भौर टाईगर रिजर्व के नर बाघ टी–24 को अन्यत्र स्थानान्तरण के निर्णय के संबन्ध में।

प्रसंग :– श्रीमान् का पत्र क्रमांक – एफ(05)006/एफडी/मॉनीटरिंग/2015/1351 दिनांक 09.05.2015

[redacted] महोदय,

उपरोक्त विषय में सन्दर्भित पत्र के क्रम में बिन्दुवार सूचना निम्न प्रकार प्रस्तुत है–

श्री रामपाल माली, वन रक्षक बुकिंग टेंट बेरियर पर तैनात था। दिनांक 08.05.2015 को सायं लगभग 5:15 पी.एम. पर उन्हे सूचना मिली कि एक बाघ अटल सागर पर है। श्री रामपाली माली, श्री हुक्म चन्द, वनपाल एंव मुन्दर, वृक्षपालक के साथ अटल सागर की ओर गए ताकि गणेश मन्दिर एवं दुर्ग से लौट रहे पैदल यात्री इस तरफ न जाये, श्री रामपाल माली अटल सागर की ओर जाने वाली पगडंडी चैक कर रहे थे, श्री हुक्मचन्द मीना अटल सागर की दीवार पर खडे थे तथा मुदर वृक्षपालक, श्री रामपाल माली से लगभग 50 मीटर दूरी पर था। पगडंडी चैक करते हुए सड़क से लगभग 15 फीट दूरी पर ही बाघ द्वारा श्री रामपाल माली पर हमला कर दिया तथा उसके द्वारा हमला सीधे गर्दन पर किया गया, जिससे श्री रामपाल माली की मौके पर ही मृत्यु हो गई थी। बेरियर की तरफ से आती हुई जीप की आवाज से [redacted] बाघ मौके से भाग गया, तब श्री मुन्दर एवं हुक्मचन्द मीणा द्वारा श्री रामपाल माली के शव को जीप में डालकर अस्पताल ले जाया गया। अधोहस्ताक्षरकर्ता को सूचना मिलते ही श्री दौलत सिंह शक्तावत, सहायक वन संरक्षक को अटल सागर तथा श्री रंगलाल चौधरी, उप वन संरक्षक, श्री नन्दलाल प्रजापत, सहायक वन संरक्षक को अस्पताल जाने के लिए कहा गया।

2. **नर बाघ टी–24 द्वारा घटित दुर्घटनाओ का विवरण –**

(अ) दिनांक 03.07.2010 को रण. बाघ परियोजना, में स्थित वन क्षेत्र झूमर बावडी फायरिंग बट के उपर श्री घमण्डी पुत्र श्री लड्डू लाल माली निवासी खिरनी वन क्षेत्र में लकडी लेने गया था, उसको नर बाघ टी–24 ने आक्रमण कर मार दिया, जिसका शव मौके से प्राप्त हुआ। उसी गर्दन पर गहरे घाव थे तथा पीछे कुल्हे के पास का मांस खाया हुआ था।

(ब) दिनांक 09.03.2012 को वन क्षेत्र सवाई माधोपुर मिर्जाघाटी भूरा की खान के उपर वन क्षेत्र में नर बाघ टी–24 के हमले से अशफाक अहमद पुत्र श्री इलियास मोहम्मद निवासी अंसारी मोहल्ला सवाई माधोपुर की मृत्यु हो गई। लाश की गर्दन पर घाव एवं कुल्हे, गर्दन तथा पिछला हिस्सा आंशिक रूप से खाया हुआ था।

(स) दिनांक 25.10.2012 को राजबाग नाके पर तैनात श्री घीसू सिंह पुत्र श्री चैन सिंह सहा. वनपाल ड्यूटी के दौरान वन क्षेत्र सोनकच्छ, काला पीला पानी पर पर रोड मरम्मत का कार्य

का निरीक्षण कर रहे थे। इस दौरान नर बाघ टी–24 में उन पर हमला कर दिया, जिससे घीसू सिंह की मृत्यु हो गई। श्री घीसू सिंह के शव के साथ बाघ टी–24 लगभग आधा घंटा रहा। शव को खाया नही गया था।

3. नर बाघ टी–24, मादा बाघिन टी–22 का शावक है! जिसका जन्म वर्ष 2005–06 में हुआ था, इसकी वर्तमान आयु 9 वर्ष से अधिक हैं। जिसकी वर्तमान टेरेटरी वन क्षेत्र अमरेश्वर, झूमर बावडी, फायरिंग बट, मिर्जाघाटी, गाडा डूब, सुल्तानपुर, सिंहद्वार, गणेश मन्दिर रोड, खेमचा कुण्ड का वन क्षेत्र हैं। इसं अधिकांश क्षेत्र. में लोगो का पैदल आवागमन भी रहता है। उपरोक्त वर्णित घटनाओ से स्पष्ट है कि इस नर बाघ टी–24 का आदमियो के प्रति भय खत्म हो गया है। नर बाघ टी–24 के वर्तमान व्यवहार को देखते हुए दुर्घटना घटित होने की पूर्ण सम्भावना बनी रहती है। निम्न विपरित प्रभाव रणथम्भौर बाघ परियोजना पर पड़ने की पूर्ण सम्भावना है।

(1) नर बाघ टी–24 की टेरेटरी में धार्मिक स्थल गणेश मन्दिर, अमरेश्वर मंन्दिर एवं शोलेश्वर मन्दिर पड़ते है। जहां अनेक लोग पैदल विचरण करते है, जिस कारण से बाघ टी–24 के वर्तमान व्यवहार देखते हुए बाघ द्वारा व्यक्तियो पर हमले की पूर्ण सम्भावना रहती है एवं कभी भी पूर्व की तरह कोई दुर्घटना घटित हो सकती है।

(2) यदि भविष्य में बाघ टी–24 के हमले से कोई दुर्घटना होती है तो लोगो में आक्रोश हो सकता है। जिसके निम्न दुष्प्रभाव, पॉइजनिंग, अन्य बाघो के आबादी में आने पर ग्रामीणो द्वारा हमला, जन आक्रोश होने पर अन्य बाघो को भी खतरा हो सकता है।

(3) टी–24 द्वारा भविष्य में कोई घटना घटित होने पर स्थानीय माहौल टाईगर रिजर्व के विरूद्ध हो जावेगा।

(4) टी–24 के व्यवहार के कारण रणथम्भौर बाघ परियोजना में तैनात स्टाफ की पैदल ट्रेकिंग से डरेगा। जिस कारण से सही रूप से ट्रेकिंग एंव मॉनिटरिंग नही हो पायेगी एवं दुर्घटना का भय बना रहेगा।

4. वर्तमान में टी–24 नर बाघ की टेरेटरी में सुल्तानुपर, काला पीला पानी एवं फूटा कोट शामिल है। उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में टी–39 अपने दो नर बाघ शावको के साथ विचरण कर रही है, इन शावको का पिता टी–24 नर बाघ है। टी–24 बाघ को यहां से स्थानान्तरित करने पर किसी अन्य नर बाघ द्वारा यहां अपनी टेरीटरी स्थापित की जावेगी, जिसका टी–39 के दो नर बाघ शावको को खतरा होना तय है।

5. मेरी राय में टी–24 को निश्चेतन कर यहां से स्थानान्तरित कर अन्यत्र भेजा जाना उचित होगा। जहां तक केप्टिविटी का प्रश्न है इसे सज्जनगढ बायोलोजिकल पार्क में भेजा जा सकता है।

भवदीय

(सुदर्शन शर्मा)
उप वन संरक्षक एवं उप क्षेत्र निदेशक
(प्रथम) रणथम्भौर बाघ परियोजना
सवाई माधोपुर

सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के अन्तर्गत जारी दस्तावेज

उ.व.सं (कोर)
सवाई माधोपुर

OFFICE OF THE DY. FOREST CONSERVATOR & DY. ~~AREA~~ DIRECTOR (FIRST) RANTHAMBHORE TIGER PROJECT,

SAWAI MADHOPUR

Sr.No.F( )/Monitoring/DFO-I/2015/5190

Dated:11.05.2015

To

The Forest Conservator & Area Director

Ranthambhore Tiger Project

Sawai Madhopur

Sub: In regard to the decision of shifting of Male Tiger T-24 of Ranthambhore Tiger Reserve to elsewhere.

Ref.: Your Letter bearing no.F(05)006/FD/ Monitoring/2015/1351.

Sir,

In above subject in sequence of referred letter pointwise information is as follows:-

1. Sh. Rampal Mali, Forest Conservator was posted at Booking Tent Barrier. On dated 08.05.2015 at about 5.15 PM he received information that one tiger is at Atal

Sagar. Sh. Rampal Mali alongwith Sh. Hukum Chand, Forester and Munder, Cattle Guard went towards Atal Sagar so that the pedestrians returning from Ganesh Temple and Fort may not ~~went~~ go towards this side, Sh. Rampal Mali was checking the trail going towards Atal Sagar, Sh. Hukumchand Meena was standing on the wall of Atal Sagar and Mundar Cattle Guard , was at the distance of about 50 meter from Sh. Rampal Mali. While checking the trail on the distance of about 15 feet from the road a Tiger had attacked on Sh. Rampal Mali and the attack was directly made on his neck, due to which Sh. Rampal Mali ~~got expired~~ died on the spot. The Tiger ran away from the spot by the noise of jeep coming from barrier side, then Sh. Munder and Hukumchand Meena brought the dead body of Sh. Rampal Mali to the hospital by putting in a jeep. On getting the information the undersigned Sh. Daulat Singh Shatawat, Asst. Conservator of Forest ~~Conservator~~ was asked to go Atal sagar and Sh. Ranglal Chaudhary, Dy. Conservator of Forest

Conservator, Sh. Nandlal Prajapat, Asst. Conservator of Forest ~~Conservator~~ were asked to go in the Hospital.

2. Details of the accidents committed by Male Tiger T-24.

(a) On dated 03.07.2010, Sh. Ghamandi S/o Sh. Laddu Lal Mali R/o Khirni had gone to ~~take~~ collect wood above from firing butt at Jhumar Bawdi Forest area situated in Rann, Tiger Project, who was attacked and killed by Male Tiger T-24, whose dead body was recovered from the spot, there were deep wounds on his neck and the flesh near the hip was eaten.

(b) On dated 09.03.2012 Ashfaq Ahmad S/o Sh. Ilyas Mohd. R/o Ansari Mohalla, Sawai Madhopur ~~got expired~~ was killed being attacked by Male Tiger T-24 in the forest area above from Mirzaghati Bhura Kee Khan at Sawai Madhopur. There were wounds on the neck of the dead body and portion of hip, neck and back portion were partly eaten.

(c) On dated 25.10.2012 Sh. Ghisu Singh S/o Sh. Chain Singh, Asst. Forester was deputed at Rajbag Naka and during duty was inspecting the maintenance work of the road in the forest area of Sonkachch, at Kala-Pila Pani. During this Male Tiger T-24 had attacked on him, by which Ghisu Singh got ~~expired~~ killed. Tiger T-24 remained with the dead body of Sh. Ghisu Singh for about half an hour. The dead body was not eaten.

3. Male Tiger T-24 is the cub of Female tigress T-22, who was born in the year 2005-06. Presently his age is more than 9 years. Whose present territory are the forest area of Amreshwar Forest Area, Jhumar Bawdi, Firing Butt, Mirzaghati, Gada Doob, Sultanpur, Singhdwar, Ganesh Mandir Road, Khemcha Kund. The walking traffic of peoples are also happened in most of the part of this area. From above incidents it is clear that this Male Tiger T-24 has lost the fear towards human

being. Seeing the present behaviour of the male tiger T-24 possibility of causing any accident remain persists. It is completely possible that the following adverse effect may put on the Ranthambhore Tiger Project.

(1) Religious places like Ganesh Mandir, Amreshwar Mandir and Soleshwar Mandir falls in the territory of Male Tiger T-24.

(2) If any accident occurs in future from the attacking of Tiger T-24 then people can be resentful. By which the following side effects, poisoning, attacking by villagers on the arrival of other tigers in the population, other tigers may also be at risk.

(3) If any incident caused by T-24 in future then the local atmosphere will against the Tiger Reserve.

(4) Due to this behaviour of T-24 the staff deputed in the Ranthambhore

Tiger Project will fear of walking tracking.

4. At present Sultanpur, Kala Pila Pani and Foota Kot is included in the territory of T-24 Male Tiger. It is relevant to mention that in this area T-39 is doing variance with her two male tiger cubs, T-24 is the father of these cubs. On shifting T-24 Tiger from here any other male Tiger will establish his territory, by which risk to the two male tiger cubs of T-39 is sure.

5. In my opinion it is correct to shift T-24 from here to elsewhere by doing anaesthesia. He can be sent in Sajjangarh Biological Park.

sd/-
(Sudershan Sharma)
Dy. Forest Conservator & Dy. Area Director
(First)Ranthambhore Tiger Project
Sawai Madhopur